



86-
=

(2) १ सपुगावी

१ भाजोपेगी

१ पाताडेपेगी

१ भाजोपेगी

१ घोगीपेगी

१ घोगीपेगी

१ घोगीपेगी

६६३ घोगीपेगी

६६९ घोगीपेगी

६६९ घोगीपेगी

६६९ घोगीपेगी

६६९ घोगीपेगी



तीससिवांगांकागिच्छि श्री

लीसनेछोरी

चपल्यवारीलीलिजरागिच्छि श्री गांजम

लीसनेछोरी श्रीमन्मिता ॥ ७ ॥

दीप्तिपातो लीसनेछोरी श्रीमन्मिता

दीप्तिपातो लीसनेछोरी श्रीमन्मिता

दीप्तिपातो लीसनेछोरी श्रीमन्मिता

दीप्तिपातो लीसनेछोरी श्रीमन्मिता

दीप्तिपातो लीसनेछोरी श्रीमन्मिता

दीप्तिपातो लीसनेछोरी श्रीमन्मिता

दीप्तिपातो लीसनेछोरी श्रीमन्मिता

दीप्तिपातो लीसनेछोरी श्रीमन्मिता

दीप्तिपातो लीसनेछोरी श्रीमन्मिता

(५)

राधादेवदेवमहाराजस्य

विरचितं

संस्कृतं

महाराजस्य



संस्कृतं

महाराजस्य

लीलाचरितमन्त्रिणी वर

लिखितचरणी

कासभवाचमदीनमेवमेवमेव

श्रीमन्मन्त्रिणीपदमन्त्रिणी

का. नमस्तस्मै वरिभनेतापदी

हादिकाकपादीनचरणी

लक्ष्मीनमस्तस्मै वरिभनेतापदी

लीलाचरितमन्त्रिणी वर

कासभवाचमदीनमेवमेवमेव

श्रीमन्मन्त्रिणीपदमन्त्रिणी

का. नमस्तस्मै वरिभनेतापदी

हादिकाकपादीनचरणी

लक्ष्मीनमस्तस्मै वरिभनेतापदी

लीलाचरितमन्त्रिणी वर

कासभवाचमदीनमेवमेवमेव

श्रीमन्मन्त्रिणीपदमन्त्रिणी

का. नमस्तस्मै वरिभनेतापदी

हादिकाकपादीनचरणी

[illegible]

किसने जेही पूजा किया

उमर मर जाय या उमर न मर

ताही मरिगी गरी जह उमर मरिगी

तम न्याही छया गिरदा गरी गोम

छा नीम की छाया पावन गरी गोम

हृदा धरि पावरी धी मरुत पुर

४ मरुत नीम उमर प्राक

नामी मरुत मया मरुत जह उमर मरिगी

उमर मरिगी जह उमर मरुत मरुत मरुत

मरुत मरुत मरिगी मरुत मरुत मरुत

मरुत मरुत मरिगी मरुत मरुत मरुत

मरुत मरुत मरिगी मरुत मरुत मरुत

मरुत मरुत मरिगी मरुत मरुत मरुत

मरुत मरुत मरिगी मरुत मरुत मरुत

मरुत मरुत मरिगी मरुत मरुत मरुत

मरुत मरुत मरिगी मरुत मरुत मरुत

मरुत मरुत मरिगी मरुत मरुत मरुत

मरुत मरुत मरिगी मरुत मरुत मरुत

मरुत मरुत मरिगी मरुत मरुत मरुत

मरुत मरुत मरिगी मरुत मरुत मरुत

मरुत मरुत मरिगी मरुत मरुत मरुत

मरुत मरुत मरिगी मरुत मरुत मरुत

मरुत मरुत मरिगी मरुत मरुत मरुत

मरुत मरुत मरिगी मरुत मरुत मरुत

मरुत मरुत मरिगी मरुत मरुत मरुत

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

(४)

चापरापुणमुक्त पण्डितपिता
मीन्याद्येतस्या वजीरमन्त्रादधी
गुणलुपतीमया विपारक्षीपण्डित
चराचावीर्यमय परिभाष्यमन्त्र
ज्जातास्त्रमया गिरिधरोत्तम
द्युिद्याद्योरीमय तीक्ष्णदन्तधारा
ज्जातमहीरवी श्रीप्राप्तिधनुनक्षत्र
लीचाद्योपाधी श्रीहासमहीरवी
यत्किंराधमन्त्रादधी पादचरि
गिरिजामहीरवी गीतविमलीपदा
नमो भगवते वासुदेवाय
द्युिधर्मिणीयासाधनी मारुतगु
ज्जाचावीर्यमय ज्जातपराध्वमय
महीरपदमन्त्रादधी द्युिधर्मिणी
पण्डितगिरिजानी द्युिधर्मिणी
वज्रगिरिजानी मन्त्रादधी गिरिधरोत्तम
द्युिधर्मिणी मन्त्रादधी ता नमो
पण्डितगिरिजानी मन्त्रादधी
ज्जातमहीरवी मन्त्रादधी मन्त्रादधी
रमहमहीरवी मन्त्रादधी मन्त्रादधी

(५२)

श्रीमंत विष्णु मूर्ति पदार्थ मूर्ति
 मूर्ति श्री धर्म ज्योतिष चंद्रोदय
 पीने तीरो पदार्थ मूर्ति मूर्ति मूर्ति
 गोळें हृदय मूर्ति मूर्ति मूर्ति मूर्ति
 पीने मूर्ति मूर्ति मूर्ति मूर्ति मूर्ति
 विष्णु धर्म मूर्ति मूर्ति मूर्ति मूर्ति
 धर्म मूर्ति मूर्ति मूर्ति मूर्ति मूर्ति
 मूर्ति मूर्ति मूर्ति मूर्ति मूर्ति
 मूर्ति मूर्ति मूर्ति मूर्ति मूर्ति
 मूर्ति मूर्ति मूर्ति मूर्ति मूर्ति
 मूर्ति मूर्ति मूर्ति मूर्ति मूर्ति

(१०)

श्रीगणेश

चार

६- पीड्याची यात्र

६॥ अमृत

६॥ इतरांचे

६॥ श्री

६॥ पुनः

६॥ नावी

६- पावसाळ्याचे

६- गोपलचतुर्थी

॥



(11)

श्रीगणेश

४३५

श्रीमंदापञ्चकोटि मिराजी माय
एतद्दिव्यमयधामध्यासहस्र

वीरगिरी जलमयचक्र श्रीगणेशोत्तरदुर्गा
नमोस्तुते नमोस्तुते नमोस्तुते नमोस्तुते
श्रीगणेशोत्तरदुर्गा नमोस्तुते नमोस्तुते
उत्तरदुर्गा नमोस्तुते नमोस्तुते नमोस्तुते
नमोस्तुते नमोस्तुते नमोस्तुते नमोस्तुते
नमोस्तुते नमोस्तुते नमोस्तुते नमोस्तुते
नमोस्तुते नमोस्तुते नमोस्तुते नमोस्तुते
नमोस्तुते नमोस्तुते नमोस्तुते नमोस्तुते

(12)

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
सर्वत्र भगवत्पदं सर्वत्र



[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय पापतांघ्रिनिहारी

उक्ती मन्त्रागमोक्ता उक्तो यो यो यो यो

सुमनसो धनसुमनसो धनसुमनसो धनसुमनसो

पाठेति धितात हन्त सन्ततो सन्ततो सन्ततो

पापतांघ्रिनिहारी पापतांघ्रिनिहारी पापतांघ्रिनिहारी

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

४३७

— श्रीचरित्यु अतिशय छय

— पतिम-उ शोपछे

पद्यत्यकीमलयपति जराणाछियछ

अणाणमस्वामिने वि कंता नमस्कार

पद्यमयमतिप्रीतिवार्त्तपुंतिव

पतिम-उ छयिजयमलरुमिचिरत्युछ

छेपछे शोपछे छयिजयमलरुमिचिरत्युछ

अनाणमस्वामिने वि कंता नमस्कार

पद्यमयमतिप्रीतिवार्त्तपुंतिव

पतिम-उ छयिजयमलरुमिचिरत्युछ

अनाणमस्वामिने वि कंता नमस्कार

पद्यमयमतिप्रीतिवार्त्तपुंतिव

पतिम-उ छयिजयमलरुमिचिरत्युछ

(१६)

कायचर्यापाठे उक्तं पद्यमात्रम्
यथा- अथैवमस्मात्तन्मात्रं पद्यमात्रम्
यदि पाठ्यादि विहितं न भवति तर्हि
नैव पाठ्यादि विहितं नैव



(48)

— श्री हरि —

(४९०)

— श्री लक्ष्मण मनासी परीनी —

— प्रियमृदुवाणी —

वसुधै कुरुते माता। नमो भगवते वासुदेवाय॥
इत्युक्तं श्रीमद्भगवत्प्राज्ञेन। नमो भगवते वासुदेवाय॥
नामो भगवते वासुदेवाय। नमो भगवते वासुदेवाय॥
विष्णुमयं पश्यन्मया। नमो भगवते वासुदेवाय॥
मिनीश्वरं नमस्कृत्य। नमो भगवते वासुदेवाय॥
उत्तमं धर्मं प्रवक्ष्यामि। नमो भगवते वासुदेवाय॥
प्रियं वक्तुं प्रवक्ष्यामि। नमो भगवते वासुदेवाय॥
नमो भगवते वासुदेवाय। नमो भगवते वासुदेवाय॥

[illegible]



मूळ प्रत पाहण्यासाठी संपर्क

इतिहासाचार्य वि.का. राजवाडे संशोधन मंडळ, धुळे
राजवाडे पथ, गल्ली नं. १, धुळे-४२४००१ (महाराष्ट्र)
दूरध्वनी क्रमांक (०२५६२) २३३८४८
Email ID : rajwademandaldhule@gmail.com